

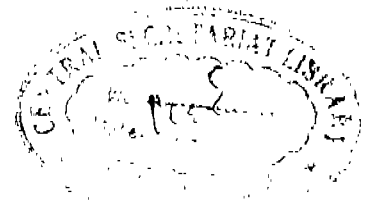


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 438 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 26, 1996/पौष 5, 1918

No. 438 ]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 26, 1996/PAUSA 5, 1918

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1996

सं. 39/96-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ( एन.टी. )

सा.का.नि. 584( अ ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 ( 1944 का 1 ) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

- (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (दसवां संशोधन) नियम, 1996 है।
- (ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

- उक्त नियमों के नियम 57छ के उपनियम (2) में, द्वितीय परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि विनिर्माता छः मास के पश्चात् और जहां नियम 57छ में विनिर्दिष्ट निवेशों का उपयोग करके विनिर्मित मध्यवर्ती उत्पाद विनिर्माता द्वारा इस उपनियम के प्रथम परन्तुक में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों में से किसी के जारी किए जाने की तारीख से नौ मास के पश्चात् प्राप्त किये जाते हैं, मुजरा नहीं करेगा; ”।

[फा. सं. 267/108/96-सी.एक्स-8]

आई. पी. लाल, अवसर सचिव

पाद टिप्पणी:—मूल नियम, दिनांक 1-3-1986 की अधिसूचना सं. 176/86-के.उ.शु., वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) द्वारा यथा संशोधित दिनांक 28 फरवरी, 1944 की भारत सरकार की असाधारण अधिसूचना सं. IV/डी.सी.ई. के तहत प्रकाशित किए गए थे।

इस अधिसूचना का उद्देश्य नियम 57जे के उपबन्धों के अनुसार मध्यवर्ती उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त निविष्टियों के संबंध में क्रेडिट लेने के लिए मॉडरेट दस्तावेज जारी करने की तारीख से नौ महीने की अवधि की अनुमति देना है।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 1996

NO. 39/96-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 584(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following further amendment to the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (i) These rules may be called the Central Excise (Tenth Amendment) Rules, 1996.  
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the said rules, in rule 57G, in sub-rule (2), for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely :---

“Provided further that the manufacturer shall not take credit after six months, and where the intermediate products manufactured by the use of inputs specified under rule 57 J are received by the manufacturer, after nine months, of the date of issue of any of the documents specified in the first proviso to this sub-rule ;”.

[F. No. 267/108/96-CX.8]

I. P. LAL, Dy. Secy.

Foot Note : The principal rules were published vide Government of India, Extraordinary Notification No. IV. D.C.E dated the 28th February, 1944, as amended by Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 176/86-CE, dated 1-3-1986.

The purpose of this notification is to allow a period of nine months from the date of issue of modavatable document, for taking credit in respect of inputs used in the manufacture of intermediate products in accordance with the provisions of Rule 57 J.